Page No. ___ Date __/__/20__

पाठ - ३ (हिमालय की बेटियाँ)
कक्षा - सातवी

लेख से :-

प्र०१ नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

उ० नदियों को माँ मानने की परंपरा भारतीय संस्कृति में अत्यंत पुरानी है। प्रायः 'गंगा मैया यमुना मैया कहा जाता है। इसके बावजूद लेखक नदियों' को और भी कई रूपों में देखता। वे रूप हैं -

बेटी के रूप में -: नागार्जुन नदियों को हिमालय पर्वत की बेटियों के रूप में देखता है।

प्रेयसी के रूप में -: कालीदास के मेघदूत का प्रसंग बताकर नागार्जुन इन्हें प्रेयसी का रूप देता है। वैसे नदियाँ समुद्र की प्रेयसियाँ हैं क्योंकि नदियाँ उसी की बाहों में समाने को बेचैन रहता है।

बहन के रूप में -: अनेक कवियों ने भी नदियों का वर्णन बहन के रूप में किया है।

प्र० २ सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

उ० सिंधु और ब्रह्मपुत्र स्वयं में कुछ नहीं है। दयालु हिमालय के पिघले दिल की एक-एक बूँद इकट्ठा होकर ये महानद बनी है। ये नदियाँ लुभावनी है।

प्र०३ काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उ० काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता इसलिए कहा है क्योंकि ये नदियाँ लोगों के लिए माता के समान पवित्र एवं कल्याणकारी है। इनमें ममता की भावना होती है।

Page No.___ Date ___/___/20___

प्र॰4 हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?
उ॰ हिमालय की यात्रा में लेखक ने इनकी प्रशंसा की है :-
गंगा-यमुना , पौधों से भरी घाटियाँ
अलकनंदा , विभिन्न प्रकार पेड़ ।

लेख से आगे :-

प्र॰3 यह लेख 1947 में लिखा गया था। तब से हिमालय से निकलनेवाली नदियों में क्या-क्या बदलाव आए हैं?
उ॰ हिमालय से निकलने वाली नदियाँ अब प्रदूषण का शिकार हो गई। गंगा और यमुना नदियाँ अब अपनी पवित्रता खो बैठी हैं।

प्र॰4 अपने संस्कृत शिक्षक से पूछिए कि कालिदास ने हिमालय को देवात्मा क्यों कहा है?
उ॰ हिमालय में देवताओं का वास है अतः कालिदास ने हिमालय को देवात्मा कहा है।